PGDDM

सत्रीय कार्य 2015

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रिय छात्र/छात्राओ,

जैसा कि आपको आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका में बताया ही जा चुका है कि आपको चार क्रेडिट वाले प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य करने होंगे। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। आप यह देखेंगे कि सत्रीय कार्यों के प्रश्न विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक प्रकृति के हैं। इन्हें करने से आप अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को आपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। यह आवश्यक है कि आप सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

प्रस्तुतीकरण :

आपको सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा कराना होगा ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें।

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए.–001 एम.पी.ए.–002 एम.पी.ए.–003 एम.पी.ए.–004 एम.पी.ए.–005 एम.पी.ए.–006 एम.पी.ए.–007 एम.ई.डी.–004 (केवल उन्हीं विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने परियोजना कार्य के स्थान पर इस पाठ्यक्रम को लिया है।)	जनवरी 2015 सत्र के लिए 30 सितंबर 2015 जुलाई 2015 सत्र के लिए 31 मार्च 2016	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. उमा मेडूरी
प्रो. डौली मैथ्यू
(कार्यक्रम संयोजक)

एम.पी.ए.–001
प्राकृतिक आपदाओं को समझना
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–001
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. केंद्रीय स्तर पर आपदा प्रबंधन पद्धति की चर्चा कीजिए। 10

2. बाढ़ के कारणों और प्रभावों का वर्णन कीजिए और आपदा प्रबंधन में राज्य सरकार की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 10

3. चक्रवात संभावित राज्य में प्रभावी पूर्वानुमान और चेतावनी के महत्व पर प्रकाश डालिए। 10

4. 'भविष्यवाणी, पूर्वानुमान, चेतावनी और न्यूनीकरण, प्रभावी सूखा प्रबंधन पद्धति के महत्वपूर्ण घटक हैं। ' टिप्पणी कीजिए। 10

5. भूस्खलन प्रवण क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन के लिए आप क्या उपाय सुझाना चाहेंगे? 10

भाग–II

6. अवधाव संकट न्यूनीकरण की निष्क्रिय पद्धतियों की चर्चा कीजिए। 10

7. ज्वालामुखी संकट न्यूनीकरण और प्रबंधन कार्य–प्रणालियों पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

8. कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की चर्चा कीजिए। 10

9. शीत लहर के कारणों एवं प्रभावों की व्याख्या कीजिए। 10

10. जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

एम.पी.ए.–002
मानव–निर्मित आपदाओं को समझना
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–002
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. मानव–निर्मित आपदाओं के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख कीजिए और समाज पर उनके प्रभाव पर प्रकाश डालिए। 10

2. रासायनिक आपदाओं के प्रमुख कारण और प्रभाव कौन से हैं? 10

3. भवन में आग लगने संबंधी आपदा को कम करने की कार्यनीतियों पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

4. कोयले में आग लगने के कारणों और प्रभावों की व्याख्या कीजिए। 10

5. 'रोकथाम, संसूचन और अवमंदन वनों में आग प्रबंधन के महत्वपूर्ण चरण हैं।' चर्चा कीजिए। 10

भाग–II

6. वायु प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य पर प्रभावों पर प्रकाश डालिए। 10

7. जल प्रदूषण के भौतिक लक्षणों की चर्चा कीजिए। 10

8. 'वनोन्मूलन बंद कीजिए, जो बहु–सामाजिक और वातावरणीय समस्याएँ उत्पन्न करता है।' कथन का विवेचन कीजिए। 10

9. रेल दुर्घटनाओं के प्रबंधन में मूलभूत बाधाएँ कौन–कौन सी हैं? 10

10. विमान दुर्घटनाओं के कारणों और प्रभावों की चर्चा कीजिए। 10

एम.पी.ए.–003
जेखिम आकलन और संवेदनशीलता विश्लेषण
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–003
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. 'जोखिम एक तकनीकी अवधारणा है, जिसे अभियांत्रिकी और प्रबंधन विशेषज्ञों द्वारा आपदा घटित होने पर और उसकी प्रत्याशित संभावना पर अनुमानित क्षति के आकलन के लिए प्रयुक्त किया जाता है।' चर्चा कीजिए। 10

2. 'विभिन्न समाजों में जोखिम का अवबोधन अलग–अलग होता है।' चर्चा कीजिए। 10

3. आपदा जोखिम न्यूनीकरण में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

4. जोखिम आकलन के लिए विभिन्न विश्लेषणात्मक प्रणालियों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 10

5. हिमालय पारितंत्र की संवेदनशीलता पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

भाग–II

6. 'गरीबी और संवेदनशीलता परस्पर संबंधित हैं।' चर्चा कीजिए। 10

7. 'विकासात्मक परियोजनाओं ने संवेदनशीलता को बढ़ाया है।' चर्चा कीजिए। 10

8. 'भौतिक और सामाजिक–आर्थिक कारकों ने शहरों में खतरों में योगदान किया है।' चर्चा कीजिए। 10

9. संवेदनशीलता न्यूनीकरण के लिए विकास योजना में प्रमुख विचारों पर प्रकाश डालिए। 10

10. संवेदनशीलता न्यूनीकरण के लिए सामाजिक आधारभूत संरचना पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

एम.पी.ए.–004
आपदा तैयारी
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–004
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. 'आपदाओं के प्रबंधन में कुछ प्रमुख पहलुओं पर विचार किया जाना चाहिए।' प्रभावी आपदा प्रबंधन के संदर्भ में उपायों की व्याख्या कीजिए। 10

2. संवेदनशील समूहों के लिए तैयारी कार्यनीतियों पर प्रकाश डालिए। 10

3. आपदा तैयारी योजना की अवधारणा और महत्व की चर्चा कीजिए। 10

4. 'सूचना, शिक्षा तथा संचार, विभिन्न तरीकों से समुदाय तक पहुँच सकते हैं।' विवेचन कीजिए। 10

5. आपदा तैयारी में अर्ध–सैनिक बलों की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 10

भाग–II

6. आपदा तैयारी में हवाई छायाचित्रण के अनुप्रयोग पर प्रकाश डालिए। 10

7. मौसम–विज्ञान और जल–विज्ञान संबंधी आपदा तैयारी के महत्वपूर्ण पक्षों की चर्चा कीजिए। 10

8. सतत विकास और आपदा न्यूनीकरण में संबंध का विवेचन कीजिए। 10

9. आपदा न्यूनीकरण के क्षेत्र में भारत सरकार के प्रयासों पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

10. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन के मूल तत्वों का वर्णन कीजिए। 10

एम.पी.ए.–005
आपदा प्रतिक्रिया
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–005
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. जिला, खंड और ग्राम स्तरों पर आपदा प्रतिक्रिया योजना की चर्चा कीजिए। 10

2. खोज और बचाव संक्रियाओं के विशेष संदर्भ में संभार–तंत्र प्रबंधन का वर्णन कीजिए। 10

3. राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय और नियंत्रण तंत्र की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 10

4. आपदा प्रतिक्रिया में अर्ध–सैनिक बलों की भूमिका का विवेचन कीजिए। 10

5. आपदा प्रतिक्रिया स्थिति में मानव व्यवहार और प्रतिक्रिया के प्रबंधन से संबंधित पक्षों का विश्लेषण कीजिए। 10

भाग–II

6. आपदा प्रतिक्रिया में गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

7. आपदाओं में कुछ आम शारीरिक और मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रियाओं को लिखिए। 10

8. संवेदनशीलता न्यूनीकरण के महत्व पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

9. प्राकृतिक आपदाओं के मामलों में निधीयन के स्रोतों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 10

10. प्रतिक्रिया और पुनरुत्थान में अंतर स्पष्ट कीजिए। 10

एम.पी.ए.–006
आपदा चिकित्सा
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–006
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. महामारी रोग–विज्ञान की कार्यवाहियों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 10

2. 'आपदा की स्थितियों में जोखिम से बचने में टीकाकरण एक महत्वपूर्ण उपाय है।' चर्चा कीजिए। 10

3. आपातकालीन स्थितियों के लिए चिकित्सा तैयारी योजना के अंतर्गत अस्पताल–पूर्व तैयारी के विभिन्न घटकों की व्याख्या कीजिए। 10

4. साजो–सामान प्रबंधन के विभिन्न घटक कौन–से हैं? 10

5. आपदाओं में स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए सूचना, शिक्षा, और संचार की भूमिका पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

भाग–II

6. 'आपदा स्थल प्रबंधन में स्थल वर्गीकरण और संचार का सर्वोच्च महत्व है।' टिप्पणी कीजिए। 10

7. चिकित्सालयी आपात प्रबंधन की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 10

8. आगजनी संबंधी आपदाओं के प्रति अनुक्रियात्मक उपायों का वर्णन कीजिए। 10

9. आपदाओं में स्वास्थ्य प्रबंधन में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जी.आई.एस) और दूर संवेदी उपग्रहों के अनुप्रयोग पर प्रकाश डालिए। 10

10. आपदा संबंधी एक केस अध्ययन पर टिप्पणी लिखिए। 10

एम.पी.ए.–007
पुनर्वास, पुनर्निर्माण और पुनरुत्थान
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–007
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. आपदाओं और विकास के बीच जटिल संबंध का विवेचन कीजिए। 10

2. आपदा प्रबंधन में गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 10

3. आपदा प्रबंधन में संचार को बढ़ाने में दूर संवेदी तकनीक और हैम रेडियो की क्या भूमिका है? 10

4. 'किसी भी स्थान की संवेदनशीलता उन विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है, जो आपदाओं की ओर संवेदनशीलता को निर्धारित करते हैं।' व्याख्या कीजिए। 10

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5x2=10

   क) राहत पुनर्वास सततक्रम
   ख) वित्तीय अनुशासन

भाग–II

6. परंपरागत आपदा–रोधी निर्माण तकनीकों से आप क्या समझते हैं? 10

7. आपदा पुनरुत्थान नियोजन के बुनियादी सिद्धांतों और चरणों की व्याख्या कीजिए। 10

8. आपदा प्रबंधन में तनाव प्रबंधन की भूमिका का विवेचन कीजिए। 10

9. आपदा–पश्चात पर्यवेक्षण और मूल्यांकन के मार्गदर्शी सिद्धांतों और मूल्यांकन मापदंडों का वर्णन कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5x2=10

    क) स्व–सहायता समूहों की भूमिका
    ख) भुज भूकंप

एम.ई.डी–004
सहभागी प्रबंधन की ओर
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी–004
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2015
अंक : 100

टिप्पणी : 1) यह सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।
2) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।
3) कृपया अपने शब्दों में उत्तर दीजिए। पाठ्यक्रम सामग्री से यथावत सामग्री मत लिखिए।

---

1. पी.आर.ए. को परिभाषित कीजिए तथा आम तौर पर प्रयुक्त होने वाले पी.आर.ए. साधनों का वर्णन कीजिए। परियोजनाओं के विकास में ये साधन किस प्रकार सहायक सिद्ध होते हैं? (2+4+4)

2. सुशासन की किन्हीं छह विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। सहभागी प्रबंधन मॉडल, सुशासन में किस प्रकार सहायक है? (3+3+4)

3. सतत विकास के लिए लोगों को सशक्त करने में सहभागी दृष्टिकोणों के महत्व की चर्चा कीजिए। (10)

4. सामुदायिक निर्णयन में महिलाओं की भागीदारी से पर्यावरण के सरंक्षण में किस प्रकार मदद मिलती है? सोदाहरण चर्चा कीजिए। (5+5)

5. संगठनात्मक परिवर्तन में परिवर्तन एजेंटों की क्या भूमिकाएँ हैं? किसी संगठन को बेहतर बनाने के लिए परिवर्तन एजेंट द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए। (5+5)

6. पर्यावरण के सरंक्षण और विकास में महिलाओं की भूमिका का वर्णन कीजिए। पर्यावरणी संरक्षण में महिलाओं की भूमिका को कैसे मजबूत किया जा सकता है? (5+5)

7. 'शिक्षण में विपर्ययता' (Reversal in Learning), परियोजना में सहभागी प्रबंधन की बेहतर समझ कैसी देती है? (10)

8. विकास कार्य में युवाओं की भूमिका और कार्यों का वर्णन कीजिए। (10)

9. (i) एस.ए.सी.ई.पी. की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। एस.ए.सी.ई.पी. की वे मान्यताएँ कौन–सी हैं जिनपर दक्षिण एशिया में उसका दर्शन (vision) आधारित है?

   (ii) सतत पर्वतीय विकास किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है? चर्चा कीजिए। (5+5)

10. (क) आर्द्रभूमि (वैटलैंड) के प्राकृतिक कार्यों की चर्चा कीजिए। आर्द्रभूमि हानि के कारणों का वर्णन कीजिए।

    (ख) सहभागिता में समता और लाभ आदान–प्रदान में समता के संदर्भ में सहभागी वन प्रबंधन पर अपने विचारों की व्याख्या कीजिए। (5+5)